मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

04 फरवरी 2026

वर्ष - 03, अंक - 40 – मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

भजन संध्या में उमड़ा जन सैलाब : छोटू सिंह रावणा के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

नीमच । 3 फरवरी, 2026 नीमच के लायंस पार्क चौराहा पर आज सांवरिया भक्त मंडल द्वारा आयोजित भव्य भजन संध्या में आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। प्रख्यात भजन गायक छोटू सिंह रावणा की सुमधुर प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। शाम 7:30 बजे शुरू हुई इस शाम में जैसे ही भक्ति के स्वर गूंजे, पूरा परिसर 'सांवरिया सेठ के जयकारों' से गुंजायमान हो उठा।

सांवरिया सेठ के दरबार के लिए आज प्रस्थान – यह भजन संध्या कल, 4 फरवरी को निकलने वाली भव्य पैदल यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। सांवरिया भक्त मंडल के अरुल अरोरा (गंगानगर) ने बताया कि यात्रा को लेकर भक्तों में भारी उत्साह है।

यात्रा की मुख्य विशेषताएं – प्रस्थानः कल सुबह 8:30 बजे, लायंस पार्क चौराहा से लगभग 90 किलोमीटर (नीमच से मंडफिया तक)। हर 2 किलोमीटर पर जलपान की व्यवस्था रहेगी । अस्वस्थ या थके हुए यात्रियों के लिए विशेष वाहन की सुविधा रहेगी । किसी भी प्रकार के रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं है । कोई भी भक्त शामिल हो सकता है ।

बुज़ुर्ग ने घर में लगाई फांसी, मौत

नीमच। जिले के नजदीकी ग्राम धनेरिया कला में मंगलवार शाम एक दुखद घटना सामने आई है। यहाँ रहने वाले करीब 90 वर्षीय बुज़ुर्ग राधेश्याम बावरी ने अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शाम लगभग 5.30 बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही डायल 112 और पुलिस आरक्षक दीपेश काबरा तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

विवाहिता ने फांसी लगाई

जावद । जावद तहसील के ग्राम बावल में बीती रात एक 23 वर्षीय विवाहिता द्वारा आत्मघाती कदम उठाने का मामला सामने आया है। मृतका पायल, पति मनीष राठौर ने अज्ञात कारणों के चलते अपने घर पर फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली । घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। मंगलवार सुबह नीमच जिला अस्पताल में मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया।

नीमच से सांवरिया सेठ दरबार तक 90 किमी पैदल यात्रा आज

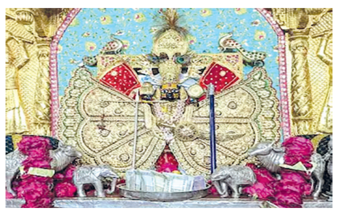

नीमच 2 फरवरी (निप्र)। आस्था और श्रद्धा का विशाल संगम एक बार फिर देखने को मिलेगा, जब श्री सांवरिया सेठ दरबार मंडफिया तक वार्षिक पैदल यात्रा आज 4 फरवरी को सुबह 8:30 बजे लायंस पार्क चौराहा नीमच से प्रारंभ होगी। करीब 90 किलोमीटर की यह पदयात्रा श्रद्धालुओं की भक्ति, अनुशासन और उत्साह का प्रतीक बनेगी । सांवरिया भक्त मंडल के अरुल अरोरा (गंगानगर) ने बताया कि इस वर्ष यात्रा को और अधिक दिव्य व भव्य स्वरूप देने का प्रयास किया गया है। जानकारी देते हुए बताया कि श्री सांवरिया सेठ दरबार तक पैदल यात्रा की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी यात्रा के लिए किसी प्रकार का पंजीयन आवश्यक नहीं होगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। प्रत्येक 2 किलोमीटर की दूरी पर जलपान की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा एक अतिरिक्त वाहन पूरे मार्ग में साथ चलेगा, ताकि थकान या अस्वस्थता महसूस करने वाले यात्रियों को आगे तक पहुंचाया जा सके। चिकित्सा सुविधाओं के लिए मेडिकल टीम भी यात्रा में शामिल रहेगी । पूरे मार्ग में भजन–कीर्तन, जयकारे और धार्मिक आयोजन किये जाएंगे। विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं समाजसेवियों द्वारा जगह-जगह पदयात्रियों का स्वागत व अभिनंदन किया जाएगा।

निंबाहेड़ा में रात्रि विश्राम होगी भव्य भजन संध्या

– 4 फरवरी को नीमच से शुरू हुई पदयात्रा का रात्रि विश्राम राजस्थान के निंबाहेड़ा कृषि उपज मंडी परिसर में होगा, जहां श्रद्धालुओं के भोजन और ठहरने की संपूर्ण व्यवस्था की गई है। यहां भी आकर्षक भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। अगले दिन 5 फरवरी को अलसुबह यात्रा पुनः प्रारंभ होकर दोपहर तक मंडफिया धाम पहुंचेगी, जहां भक्तों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26: आत्मनिर्भर भारत की विकास का नया अध्याय

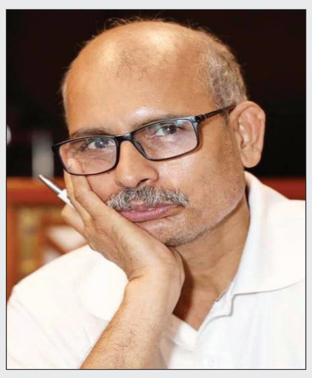

विनोद कुमार सिंह

भारत की अर्थव्यवस्था ने बीते वर्षों में जिस प्रकार वैश्विक संकटों, महामारी के प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय अस्थिरताओं के बावजूद स्थिरता बनाए रखी है,वह अपने आप में प्रेरणादायी है। सर्वेक्षण बताता है कि भारत अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन बनता जा रहा है।

भारत की आर्थिक विकास यात्रा केवल आँकड़ों और बजट घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उस राष्ट्र की जीवंत कथा है जो निरंतर संघर्ष,नवाचार और आत्मविश्वास के सहारे वैश्विक मंच पर अपनी पहचान को मजबूत करता जा रहा है।वित्त मंत्रालय द्वारा जारी भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 इसी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है,जो न केवल देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करता है, बल्कि भविष्य की संभावनाओं, चुनौतियों और अवसरों की स्पष्ट रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है।आर्थिक सर्वेक्षण किसी भी देश के लिए एक दर्पण की तरह होता है, जिसमें बीते वर्ष की उपलब्धियाँ, आर्थिक सुधारों की दिशा और आने वाले वर्षों की विकास रणनीति प्रतिबिंबित होती है। वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण भारत की उस परिवर्तनशील तस्वीर को सामने लाता है,जहाँ देश तेजी से विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति को सुदृढ़ कर रहा है।

भारत की अर्थव्यवस्था ने बीते वर्षों में जिस प्रकार वैश्विक संकटों, महामारी के प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय अस्थिरताओं के बावजूद स्थिरता बनाए रखी है,वह अपने आप में प्रेरणादायी है। सर्वेक्षण बताता है कि भारत अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन बनता जा रहा है।

देश की आर्थिक वृद्धि दर में निरंतर मजबूती देखी गई है। विनिर्माण, सेवा क्षेत्र,कृषि,डिजिटल अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढाँचे में हो रहे तीव्र निवेश ने भारत की विकास गति को नई ऊर्जा दी है। आर्थिक सर्वेक्षण यह संकेत देता है कि भारत आने वाले वर्षों में विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा।

इस सर्वेक्षण में सरकार की नीतियों और सुधारों का विशेष उल्लेख है, जिन्होंने निवेश वातावरण को अधिक अनुकूल बनाया है। 'मेक इन इंडिया' ,'आत्मनिर्भर भारत', 'डिजिटल इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' .जैसी पहलों ने भारत को नवाचार और उद्यमिता का वैश्विक केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारत की अर्थव्यवस्था पिछले कई वर्षों से वैश्विक मंदी और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बीच भी मजबूत गति से आगे बढ़ रही है। वित्त मंत्रालय द्वारा 29 जनवरी 2026 को संसद में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 देश की आर्थिक प्रगति का विश्लेषण करता है और भविष्य के संभावित विकास मार्ग को स्पष्ट करता है।यह दस्तावेज न केवल आंकड़ों का संकलन है,बल्कि नीति निर्धारण और रणनीतिक सोच का मार्गदर्शक भी है।मैंने अपने इस आलेख में मुख्यतः जी डी पी विकास दर, प्रमुख आर्थिक सेक्टरों के योगदान और सतत विकास की चुनौतियों पर चर्चा की जा रही है। भारत की जी डी पी विकास दर एक सकारात्मक परिदृश्य प्रस्तुत करती है। सर्वेक्षण और सरकारी अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक विकास दर करीब 7.4% रहने का अनुमान है,जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक गतिशीलता दशार्ता है।यह अनुमान सांख्यिकी मंत्रालय की प्रथम अग्रिम अनुमान रिपोर्ट से लिया गया है,जिसमें जी डी पी वृद्धि दर को 7.4% बताया गया है।इससे पहले कई अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने 6.3% से 6.8% की रेंज का अनुमान जताया था,लेकिन वास्तविक आंकड़ों और आर्थिक गतिविधियों के आधार पर यह रफ्तार बढ़ी है।इस 7.4% वृद्धि दर का अर्थ यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की प्रमुख बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी बनी हुई है,खासकर जब अन्य उभरती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम है।यह वृद्धि घरेलू खपत, निवेश,विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की मजबूती के कारण संभव हुई है।आर्थिक ढाँचे की दृष्टि से जी डी पी की कुल वृद्धि को प्रभावित करने वाले प्रमुख सेक्टरों के आंकड़े आर्थिक सर्वेक्षण और सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट पर आधारित हैं। इनके माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि भारत की आर्थिक वृद्धि केन्द्रित और संतुलित है, न कि केवल एक या दो क्षेत्रों तक सीमित।सेवा क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण स्तंभ है।सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में सेवाओं का योगदान जी डी पी में सबसे ऊँचा रहा और यह क्षेत्र लगभग 9.9% की वृद्धि दर से आगे बढ़ा।इसमें वित्तीय सेवाएँ, रियल एस्टेट,पेशेवर सेवाएँ और प्रशासनिक सेवाएँ शामिल हैं। व्यापार,होटल,परिवहन और संचार जैसे सेवा क्षेत्रों ने भी 7.5% से अधिक वृद्धि दर दर्ज की।यह उच्च वृद्धि इस बात को दशार्ती है कि भारत में घरेलू मांग मजबूत है और उपभोक्ता खर्च तथा डिजिटल और वित्तीय सेवाओं के उपयोग में वृद्धि ने अर्थव्यवस्था की धुरी को और मजबूत किया है।डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत की आर्थिक शक्ति का नया आधार बन चुकी है।यूपीआई,डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस और स्टार्टअप संस्कृति ने भारत को तकनीकी नेतृत्व की ओर अग्रसर किया है।डिजिटल सेवाओं का विस्तार केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा,बल्कि ग्रामीण भारत भी डिजिटल परिवर्तन की मुख्यधारा से जुड़ रहा है।भारत में विनिर्माण और निर्माण क्षेत्रों का विकास भी संतोषजनक रहा है। इन दोनों सेक्टरों का संयुक्त वृद्धि दर लगभग 7.0% दर्ज किया गया है,जिससे यह स्पष्ट होता है कि भारत की उत्पाद-आधारित वृद्धि में निरंतर सुधार हो रहा है। इसका विश्लेषण यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री 'मेक इन इंडिया' पहल और उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का असर वास्तविक अर्थव्यवस्था में दिखाई दे रहा है। इन पहलों ने घरेलू विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत को मजबूत स्थिति प्रदान की है।निर्माण क्षेत्र में भी तेज गति से विस्तार हुआ है। आवास, स्मार्ट सिटी परियोजनाएँ,सड़क और रेलवे नेटवर्क का विकास भारत की आधारभूत संरचना को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहा है। इससे न केवल निवेश आकर्षित हो रहा है, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।कृषि क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है।वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की वृद्धि दर लगभग 3.1% रही, जो पिछले वर्षों की तुलना में स्थिरता का संकेत है।हालांकि कृषि का योगदान जी डी पी में सेवा और विनिर्माण की तुलना में कम है,इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण मांग का समर्थन,खाद्यान्न आपूर्ति की स्थिरता और ग्रामीण रोजगार में वृद्धि कृषि क्षेत्र की विशेष भूमिका को दशार्ते हैं।सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने,सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार,कृषि तकनीक के उपयोग और ग्रामीण बाजारों को सशक्त बनाने के प्रयास इस क्षेत्र को भविष्य में और मजबूत करेंगे।उपयोगिता सेवाओं जैसे बिजली, गैस,जल आपूर्ति और संबंधित क्षेत्रों में भी वृद्धि दर्ज की गई है,हालांकि यह लगभग 2.1% रही।यह अपेक्षित है क्योंकि इस क्षेत्र की वृद्धि आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी होती है।ऊर्जा क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर भारत हरित विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।जी डी पी विकास दर के अलावा आर्थिक सर्वेक्षण ने कुछ अन्य प्रमुख संकेतक भी सामने रखे हैं, जो समग्र आर्थिक स्वास्थ्य को दशार्ते हैं। वास्तविक निजी अंतिम उपभोग व्यय में वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 7.0% की वृद्धि दर्ज हुई,जो उपभोक्ता खर्च की उच्च गति का संकेत है।इसके अलावा स्थिर पूंजी निर्माण में लगभग 7.8% की वृद्धि हुई, जो निवेश गतिविधियों में सुधार का सूचक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि न केवल उपभोक्ता मांग मजबूत है, बल्कि उद्योगों द्वारा पूंजीगत निवेश भी बढ़ रहा है,जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है।आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सरकारी निवेश 2018 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक लगभग 4.2 गुणा बढ़ा है।राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार,उच्च-गति मार्गों का निर्माण और डिजिटल नेटवर्क का विस्तार अर्थव्यवस्था की सामयिक क्षमता को बढ़ा रहे हैं। इन बुनियादी ढाँचों के विस्तार से लॉजिस्टिक्स लागत में कमी, कारोबार में सुगमता और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलता है,जो दीर्घकालिक उत्पादकता के लिए केंद्रीय है।भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में सफलता अर्जित की है। पिछले वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति 4.9% के आसपास रही, जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लक्ष्य के पास थी और यह आर्थिक स्थिरता का संकेत है। इसके अतिरिक्त विदेशी निवेश, निर्यात और व्यापार संतुलन में सुधार की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं,जिससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत हुई है। भारत आज वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है। हालांकि आर्थिक सर्वेक्षण में सकारात्मक रुझान दिखाई देता है, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी उभर कर सामने आई हैं।वैश्विक बाजार की अस्थिरता,ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव कुछ जोखिम कारक हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकते हैं।परंतु सरकार द्वारा लगातार नीतिगत सुधार,बाजार- सशक्तिकरण और निवेश-उन्मुख उपायों से इन जोखिमों को कम करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।संक्षेप में भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण 2025- 26 यह स्पष्ट करता है कि भारत विश्व की प्रमुख तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है।जी डी पी वृद्धि दर का 7.4% तक पहुँचना, सेवा एवं विनिर्माण क्षेत्रों की मजबूती, कृषि की स्थिर प्रगति, निवेश एवं पूंजीगत व्यय की उच्च गति और बुनियादी ढाँचे में उल्लेखनीय विस्तार यह दशार्ते हैं कि भारत ने आत्मिक विकास,आर्थिक संतुलन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के तीनों स्तंभों पर मजबूत प्रगति की है।

यह सर्वेक्षण केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि एक सुधरे हुए, समावेशी और दीर्घकालिक विकास मार्ग का मार्गदर्शक है,जो आर्थिक निर्णयों, बजट नीतियों, निवेश योजनाओं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के लिए आधार प्रदान करता है।आज भारत सफलता के पथ पर अग्रसर है,एक ऐसा भारत जो आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और वैश्विक चुनौतियों के प्रति सक्षम है। विकसित भारत का सपना अब केवल लक्ष्य नहीं,बल्कि ठोस प्रयासों और निरंतर प्रगति के माध्यम से साकार होता दिखाई दे रहा है।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

संपादकीय

भारत-यूरोप 'मदर डील'

अंततः भारत और यूरोपीय संघ ने साझा इतिहास रच दिया। करीब 19 साल की माथापच्ची, उधेड़बुन, असमंजस, सवाल समाप्त हुए और दोनों लोकतांत्रिक शक्तियां ह्यमदर डीलह्व पर सहमत हुईं। आपस में हस्ताक्षर कर दिए गए और दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर ने इस सर्वाधिक व्यापक ह्यमुक्त व्यापार समझौतेह्व (एफटीए) की घोषणा कर नई विश्व-व्यवस्था की बुनियाद रख दी। व्यापक और विश्व व्यवस्था परिवर्तनकारी इसलिए माना जा सकता है, क्योंकि पहली बार 193 करोड़ से अधिक की आबादी एक एफटीए के दायरे में होगी। भारत-यूरोप की अर्थव्यवस्था दुनिया की जीडीपी की 25 फीसदी है और दुनिया का एक-तिहाई व्यापार दोनों के बीच है, जिसे 2032 तक 40 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है। यूरोपीय संघ विश्व की दूसरी (27 देशों को मिला कर) और भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा यह ह्यमदर डीलह्व ही है। इस एफटीए से अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की ह्यटैरिफ दादागीरीह्व का बड़ा रचनात्मक और शालीन जवाब दिया गया है। इसके अलावा, चीन के समानांतर भारत को ह्यइनोवेशन एंड मैन्यूफैक्चरिंग हबह्व बनाने का लक्ष्य तय कर चीनी वर्चस्व को भी चुनौती दी गई है, लिहाजा वाकई यह ह्यमदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्सह्व है। चीन में करीब 1700 यूरोपीय कंपनियां सक्रिय हैं। क्या अब वे भारत शिफ्ट हो सकती हैं? इसकी प्रबल संभावना बन गई है। गौरतलब यह है कि जब 2027 में यह एफटीए यूरोप के सभी 27 देशों में लागू हो जाएगा, तब भारत के 99 फीसदी से अधिक उत्पाद, सामान या तो ह्यटैरिफ-मुक्तह्व होंगे अथवा रियायती शुल्क ही देना पड़ेगा। मसलन-जैतून का तेल, वनस्पति तेल, ऑप्टिकल उपकरण, मशीनरी, रासायनिक एवं सर्जिकल उपकरण, फार्मा (खासकर जेनेरिक दवाएं), वस्त्र, रत्न-आभूषण, चमड़ा एवं जूते-चप्पल, चॉकलेट, पास्ता आदि लंबी सूची है। अधिकतर उत्पादों और उपकरणों को ह्यटैरिफ-मुक्तह्व तय किया गया है। करीब 2 ट्रिलियन डॉलर के यूरोपीय बाजार में 2030 तक भारतीय उत्पादों का निर्यात 300 अरब डॉलर तक ले जाने का भी लक्ष्य रखा गया है।

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही आकषर्ण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है।

उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकषर्ण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत 5 हजार से अधिक आवेदन निराकृत

शेष शतप्रतिशत आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करें- कलेक्टर चंद्रा

नीमच । संकल्प से समाधान अभियान के तहत नीमच जिले में आयोजित शिविरों में विभिन्न विभागों की 106 सेवाओं को प्राप्त करने के लिए 7889 आवेदन प्राप्त हुए है। इनमें से 5286 आवेदनों की स्वीकृति, निराकरण किया जा चुका है। शेष 3503 आवेदन लंबित है। इन लंबित आवेदनों का सभी विभाग निराकरण सुनिश्चित कर, पोर्टल पर ऑनलाईन दर्ज करें। इस कार्य को प्राथमिकता दे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला अधिकारियों की बैठक में संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस. कलेश, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर्स एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आगामी दिनों में संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्रत्येक तहसील में एक-एक नैत्र परीक्षण एवं उपचार शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिला शिक्षा केंद्र एवं शिक्षा विभाग को निर्देश दिए, कि वे बाउण्ड्रीवाल वाले सभी शाला परिसरों को चिंहित कर वहां मां की बगियां, किचन गार्डन एवं पोषण वाटिका लगवाने की व्यवस्था करें। समग्र ई-केवायसी सत्यापन कार्य की समीक्षा में बताया गया, कि जिले में 777689 हितग्राहियों के समग्र का ईकेवायसी सत्यापन किया जा चुका है। जो, कि 91.86 प्रतिशत है।

शेष 68768 समग्र ई-केवायसी सत्यापन से शेष रहे है। कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों और जनपद सीईओ को शेष रहे समग्र ईकेवायसी के सत्यापन का कार्य पूर्ण करवाने के निर्देश दिए है।

प्राकृतिक आपदा की घड़ी मे सरकार व प्रशासन किसानों के साथ खड़ा है

नीमच । प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन, प्राकृतिक आपदा की घड़ी में किसानों के साथ है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में राजस्व एवं कृषि विभाग के अमले द्वारा गत दिनों हुई ओलावृष्टी एवं बारिश से फसलों को हुए नुकसान के आकलन/सर्वे का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अपर कलेक्टर श्री बी.एस कलेश ने बताया कि नीमच जिले में सोमवार को सुबह से ही राजस्व एवं कृषि अमले ने ओलावृष्टी से प्रभावित गांवों में किसानों के खेतों में पहुंचकर फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कार्य प्रारंभ कर दिया है ।एसडीएम मनासा सुश्री किरण आंजना ने सोमवार को ग्राम तुमड़ा,रूपावास, आंकली एवं सोजावास में किसानों के खेतों का टीम के साथ भ्रमण कर, फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया।एसडीएम जावद सुश्री प्रीति संघवी ने जावद क्षेत्र के गांव माण्डा का भ्रमण कर फसल नुकसानी का जायजा लिया। नीमच व जीरन तहसील के पटवारियों और कृषि एवं राजस्व अमले ने लाछ बमोरा एवं क्षेत्र के अन्य गांवों में ओलावृष्टी से हुए नुकसान का जायजा लिया।कृषि एवं राजस्व विभाग की टीमों द्वारा ओला प्रभावित सभी गांवों में खेतों में जाकर फसल नुकसानी का सर्वे कार्य तत्परता पूर्वक किया जा रहा है।

प्रतापगढ़ के अरनोद में दबिश : मंदसौर में डेढ़ करोड़ की एमडी ड्रग पकड़ाने के बाद तलाशी, राजस्थान के गांवों में पहुंची पुलिस

मन्दसौर । नशे के अवैध कारोबार पर करारा प्रहार करते हुए मंदसौर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने डेढ़ करोड़ रुपये से ज्यादा की एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके बाद अब पूरे ड्रग्स तस्करी नेटवर्क को तोड़ने के लिए जांच तेज कर दी गई है।

राजस्थान में दबिश, नेटवर्क की कड़ियां तलाश रही पुलिस – गिरफ्तारी के बाद सिटी कोतवाली और वायडी नगर थाने की विशेष पुलिस टीमें सोमवार को राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के अरनोद थाना क्षेत्र पहुंचीं। यहां मुख्य आरोपी गुलशेर लाला के गांव और ठिकानों पर दबिश दी गई। पुलिस ने उसके नशा नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाने का काम शुरू किया।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर सिटी कोतवाली पुलिस ने यह कार्रवाई की। थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर के नेतृत्व में टीम ने प्रतापगढ़ निवासी कुख्यात बदमाश गुलशेर लाला

और हत्या के मामले में पैरोल से फरार नंदकिशोर उर्फ नंदू पाटीदार को गिरफ्तार किया।

मुखबिर की सूचना पर पकड़े गए तस्कर – पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि प्रतापगढ़ जिले का देलवजी उर्फ गुलशेर खान पठान एमडी ड्रग्स की बड़ी खेप लेकर मंदसौर आने वाला है। सूचना पक्की होने के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

डेढ़ किलो एमडी ड्रग्स जब्त, कीमत डेढ़ करोड़ से ज्यादा – पुलिस ने आरोपियों के पास से 01 किलो 500 ग्राम अवैध एमडी ड्रग्स, 03 किलो 500 ग्राम डोडाचूरा, दो मोटरसाइकिल जब्त की हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में एमडी ड्रग्स की कीमत करीब 1 करोड़ 50 लाख रुपये बताई जा रही है। कुल जब्त माल की कीमत 1 करोड़ 51 लाख 22 हजार रुपये है।

हत्या का दोषी है नंदू पाटीदार – गिरफ्तार आरोपी नंदकिशोर उर्फ नंदू पाटीदार, निवासी ग्राम राजाखेड़ी, थाना नई आबादी, मंदसौर, वर्ष 2022 के भावगढ़ थाना क्षेत्र के हत्या मामले में दोषी है। वह वर्ष 2024 से पैरोल पर बाहर था और फरार चल रहा था। उसके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस की संयुक्त टीमें प्रतापगढ़ जिले के अरनोद थाना क्षेत्र के देवल्जी गांव सहित आसपास के इलाकों में पहुंचीं। मुख्य आरोपी गुलशेर लाला के घर और ठिकानों पर दबिश दी गई, लेकिन वहां ताले लगे मिले। इसके बाद पुलिस ने ग्रामीणों और संदिग्ध लोगों से पूछताछ की।

ग्रामीण इलाकों में फैला है नशे का नेटवर्क – पुलिस जांच कर रही है कि एमडी ड्रग्स कहां से लाई गई थी और इसे किन-किन इलाकों में सप्लाई किया जाना था। आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

हाई प्रायरिटी टारगेट थे आरोपी – एसपी विनोद कुमार मीना ने बताया कि गुलशेर लाला के खिलाफ चार और नंदकिशोर के खिलाफ तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। मादक पदार्थों की तस्करी में नाम आने के कारण गुलशेर को हाई प्रायरिटी टारगेट में रखा गया था। दोनों आरोपियों पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 80/2026 के तहत धारा 8/15, 22 और 29 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया है। रिमांड के दौरान पूछताछ कर पूरे तस्करी नेटवर्क पर कार्रवाई की जाएगी।

नीमच फोरलेन से प्राचीन मंदिर को खतरा

नीमच । भाटखेड़ा फंटे से डुंगलावदा तक 106 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे फोरलेन सीसी रोड प्रोजेक्ट को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया है। इस परियोजना के कारण महू रोड पर स्थित प्राचीन माधोपुरा बालाजी मंदिर का लगभग 10 से 15 फीट हिस्सा सड़क की जद में आने की आशंका है। पिछले दो दिनों से मंदिर के उत्तर दिशा में पुलिया चौड़ीकरण का कार्य जारी है। भक्तों और स्थानीय निवासियों का आरोप है कि मंदिर वर्तमान सड़क से लगभग 8 फीट नीचे है और निर्माण कार्य सीधे मंदिर परिसर की बाउंड्री से सटकर किया जा रहा है। इससे मंदिर के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। इस मामले को लेकर सर्व हिंदू समाज के साथ-साथ मऊ रोड, सरदार पटेल बस्ती, तिलक बस्ती और टैगोर बस्ती के निवासियों ने विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर डिप्टी कलेक्टर चंद्र सिंह धार्वे को कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा। क्षेत्रवासियों के अनुसार, माधोपुरा बालाजी मंदिर लगभग 200 वर्ष पुराना है और लाखों परिवारों की आस्था का केंद्र है। मंदिर परिसर में बालाजी के साथ-साथ भगवान भोलेनाथ, माता संतोषी, गणेशजी और साईं बाबा के भी प्राचीन मंदिर स्थापित हैं।

बेहद अलग है जूलॉजी में कॅरियर

जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। ऐसे बहुत से लोग है, जो प्रकृति में मौजूद विभिन्न तरह के प्राणियों के बारे में गहराई से जानने की इच्छा रखते हैं। ऐसे लोग जूलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। जूलॉजी, जीव विज्ञान की एक शाखा है, जो मछली, सरीसृप, पक्षियों और स्तनधारियों सहित जानवरों का वैज्ञानिक अध्ययन है। यह संरचना, शरीर रचना, विशेषताओं, व्यवहार, वितरण, पोषण की विधि, शरीर विज्ञान, आनुवंशिकी और पशु प्रजातियों के विकास को शामिल करता है। जूलॉजी का अध्ययन करते समय आप समुद्री जीवों, चिड़ियाघर के जानवरों और जंगली और यहां तक कि घरेलू पालतू जानवरों सहित जानवरों के जीव विज्ञान और आनुवंशिकी का अध्ययन करते हैं। ऐसे में अगर आप भी इनके बारे में विस्तार से जानना चाहते हैं तो बतौर जूलॉजिस्ट बनकर ऐसा कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में

क्या होता है काम

एक जूलॉजिस्ट का मुख्य काम जानवरों के व्यवहार, विशिष्ट विशेषताओं और उनमें विकासवादी प्रवृत्तियों का अध्ययन करते हैं। जूलॉजिस्ट को पशु जीवविज्ञानी या वैज्ञानिक भी कहा जाता है। यह एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है और विभिन्न क्षेत्रों से संबंध रखने वाले जूलॉजिस्ट को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मसलन, पक्षियों के अध्ययन में विशेषज्ञता वाले जूलॉजिस्ट्स को ऑर्निथोलॉजिस्ट कहा जाता है, वहीं मछली का अध्ययन करने वाले को आइकथोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है। ठीक इसी तरह, जो जूलॉजिस्ट्स जो उभयचरों और सरीसृपों का अध्ययन करते हैं उन्हें हेरपेटोलॉजिस्ट नाम से जाना जाता है और स्तनधारियों से जुड़े लोगों को मैमलॉजिस्ट कहा जाता है। उनके कार्यक्षेत्र में जानवरों, पक्षियों, स्तनधारियों, कीड़े, मछलियों और कीड़े के पहलुओं पर रिपोर्ट तैयार करना और उन्हें विभिन्न स्थानों पर प्रबंधित करना है। जूलॉजिस्ट डीएनए पहचान सहित उच्च तकनीक के सभी प्रकार के क्षेत्र में और प्रयोगशाला में काम करते हैं, और वे जानकारी के डेटाबैंक विकसित करते हैं।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। हालांकि आप इस क्षेत्र में बैचलर की डिग्री के बाद मास्टर डिग्री या डॉक्टरेट की डिग्री भी हासिल कर सकते हैं।

व्यक्तिगत कौशल

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि जूलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का बेहद साहसी होना जरूरी है और उनके जीवन में डर के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समर्पित, स्वतंत्र और मेहनती भी होना चाहिए। उन्हें विभिन्न लोगों के साथ काम करना आना चाहिए। चूंकि वैज्ञानिक अक्सर शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं, इसलिए उनके पास प्रभावी लिखित और मौखिक संचार क्षमताएं होनी चाहिए। वह अपना अधिकांश समय जानवरों के साथ बिताते हैं, इसलिए उन्हें जोखिम भरी परिस्थितियों में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्हें काटने, खरोंचने आदि जैसे हमलों के लिए हरदम मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए और चोटों को सहने की क्षमता होनी चाहिए। जूलॉजी के क्षेत्र में आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, जो वास्तव में आपके लिए थकाऊ हो सकता है।

संभावनाएं

बतौर जूलॉजिस्ट आप चिड़ियाघर, वाइल्डलाइफ सर्विस, बोटेनिकल गार्डन, कंसर्वेशन आर्गेनाइजेशन, नेशनल पार्क, यूनिवर्सिटी व लेबोरेटरीज आदि में काम कर सकते हैं। जहां चिड़ियाघर व म्यूजियम में वे बतौर एजुकेटर या क्यूरेटर अपना कॅरियर आगे बढ़ा सकते हैं। वहीं आप स्कूल या कॉलेज में टीचर्स या रिचर्सर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं अपना शोध पूरा कर लेने के बाद आप एक स्वतंत्र शोधकर्ता के रूप में भी आगे कार्य कर सकते हैं। इसी तरह एनिमल रिहैबिलिटेटर्स या बतौर कंसर्वेशनिस्ट भी आप अपना उज्जवल भविष्य देख सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपका वेतन शिक्षा, अनुभव, कार्य की प्रकृति व स्पेशलाइजेशन के आधार पर निर्भर करता है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी आमदनी हो सकती है। शुरूआती दौर में आप 10000 से 15000 रूपए महीना आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ समय के पश्चात आपकी आमदनी 25000 रूपए प्रतिमाह या इससे अधिक भी हो सकती है। अगर कुछ वर्षों के अनुभव के पश्चात आप विदेश में काम करते हैं तो आप यकीनन लाखों में कमा सकते हैं।

लेखन के क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें लिखना बहुत पसंद होता है। लेखन की कई विधाएं हैं, इन्हीं में से एक है क्रिएटिव राइटिंग। लेखन के क्षेत्र की यह विधा बेहद कलात्मक है। इस क्षेत्र से जुड़े लोग वास्तव में रचनात्मक लेखक हैं, जिन्हें लोग उपन्यासकार, कवि, गीतकार आदि विभिन्न नामों से जानते हैं। क्रिएटिव राइटर्स के पास लेखन में जादुई शक्ति होती है और अपने काम के माध्यम से, वे पाठकों को प्रभावित कर सकते हैं और उन्हें परेशान, घृणित, मंत्रमुग्ध या खुश कर सकते हैं। आमतौर पर लोग इस काम को आसान मानते हैं, जबकि लेखन बनाना एक लंबी प्रक्रिया है जिसमें बहुत अधिक शोध और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। अगर आप भी लेखन में अपनी रूचि रखते हैं तो इस क्षेत्र में अपने कदम बढ़ा सकते हैं

क्या है क्रिएटिव राइटिंग

रचनात्मक लेखन वह लेखन है जिसमें एक लेखक का उद्देश्य गद्य और काव्य छंदों के माध्यम से अपनी भावनाओं, भावनाओं, कल्पनाशील विचारों और विचारों को व्यक्त करना है। विभिन्न तरह के लेखन जैसे उपन्यास, कविता, कहानी, नाटक, आत्मकथा, पटकथा लेखन, कॉपी लेखन आदि को रचनात्मक लेखन कहा जाता है। रचनात्मक लेखन एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें प्राकृतिक दुनिया के चित्र बनाने के लिए बहुत अधिक कल्पना, अवलोकन और एक जन्मजात क्षमता की आवश्यकता होती है। विभिन्न विषयों और शैलियों पर लेख पढ़कर एक अच्छा लेखक बन सकता हैय हर तरह से जीवन का अनुभव करना और बहुत सारे मुहावरों, लहजों और स्थानीय भावों को सीखना और सुनना। वैसे तो क्रिएटिव राइटिंग कुछ लोगों को जन्मजात उपहार में मिलती हैं, लेकिन रचनात्मक लेखन में कोर्स करके कोई भी अपने लेखन कौशल में सुधार कर सकता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है। वैसे भारत में कुछ संस्थान रचनात्मक लेखन में शार्ट टर्म कोर्स कराते हैं और इन पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकंडरी या 10+2 होनी चाहिए। इन पाठ्यक्रमों की न्यूनतम अवधि एक वर्ष है।

रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक क्रिएटिव राइटर को कल्पनाओं के आकाश में विचरने के साथ-साथ उसे कागज पर भी बेहतरीन तरीके से उतारने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर पढ़ने व नई चीजों को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिए, ताकि वह अपने शब्दकोश को अधिक मजबूत बना सके। चूंकि इन दिनों लेखन के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जाने लगता है। इसलिए उसे कंप्यूटर का ज्ञान होना व इंटरनेट में आवश्यक सामग्री खोजने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर ऑर्ब्जवेशन स्किल्स व कम्युनिकेशन स्किल्स भी मजबूत होने चाहिए। क्योंकि जब एक लेखक अपने या दूसरों के अनुभवों के पन्ने पर उतारता है तो उसका एक अलग ही प्रभाव देखने को मिलता है। इसके अलावा ऑब्जर्वेशन के जरिए उसके लेखन में भी विविधता को आसानी से देखा जा सकता है।

संभावनाएं

क्रिएटिव राइटर्स के पास अवसरों की कोई कमी नहीं है। कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो आप अपनी रूचि के अनुसार उपन्यास से लेकर संस्मरण, कविता, गीत, साइंस फिक्शन, रोमांस, स्क्रिप्ट, नाटक, यात्रा-वृत्तांत आदि लिख सकते हैं। इसके अलावा आप पत्र-पत्रिकाओं और समाचार पत्रों आदि के लिए रिपोर्ट, साक्षात्कार, सुविधाएँ, आलोचना और समीक्षाएं लिख सकता है। इसके अलावा, रचनात्मक लेखक वेब साइटों के लिए भी कंटेंट लिख सकते हैं या प्रिंट मीडिया के लिए लेख बना सकते हैं। आप किसी एक संस्थान से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर अलग-अलग संस्थानों के लिए फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व कौशल पर निर्भर करती हैं। शुरूआती दौर में एक क्रिएटिव राइटर आठ से दस हजार रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। इसके बाद अनुभव बढ़ने के बाद आपका काम व आमदनी दोनों बढ़ती चली जाती है।

प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मीडिया स्टडीज, अहमदाबाद
- कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी

एंट्री इंटरव्यू की तरह एग्जिट इंटरव्यू भी मायने रखता है

एंट्री इंटरव्यू की तरह ही किसी कंपनी का एग्जिट इंटरव्यू भी उतना ही मायने रखता है। नौकरी छोड़ने से पहले एग्जिट इंटरव्यू भले ही मात्र एचआर संबंधी औपचारिकता लगे लेकिन इसका मतलब ये नहीं हैं कि इसके लिए आप कोई तैयारी न करें। इंटरव्यू में अपने जवाबों को तैयार रखकर आप अपने लिए भविष्य में उस कंपनी के दरवाजे हमेशा खुले रख सकेंगे। आइए जानते हैं एग्जिट इंटरव्यू के लिए कुछ जरूरी टिप्सः

सकारात्मक चीजों पर फोकस

एग्जिट इंटरव्यू के संदर्भ को समझना महत्वपूर्ण है और बिना किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए सच बोलना जरूरी है। करियर के इस मोड़ पर आपको सकारात्मक प्रभाव बनाने के लिए सहयोगियों और प्रबंधकों की तारीफ करना चाहिए।

वापसी की इच्छा जताएं

अगर आप अच्छे टर्म के साथ अपने कार्यकाल को ऑफिस में पूरा कर रहे हैं तो इसके लिए आपको वापसी के सारे रास्ते खुल रखने की कोशिश करना चाहिए। हमेशा जुड़े रहने की इच्छा जताएं और वहां के एल्यूमिनी नेटवर्क का हिस्सा बनने को कहें।

आभार व्यक्त करें

ऑर्गनाइजेशन में अपने कार्यकाल को सहज बनाने में मदद करने वालों के प्रति आभार जताना न भूलें। यह केवल मैनेजमेंट को आपके बारे में पॉजिटिवी फील देगा।

माइक्रो पर्सपेक्टिव

अगर आपको अपने किसी साथी या वरिष्ठ प्रबंधक से संबंधित कोई बात रखने की भी है तो उसे सही तरीके से रखें। कुछ अगर कहना आवश्यक भी हो तो उसे माइक्रो पर्सपेक्टिव रखें।

कंस्ट्रक्टिव फीडबैक

आपके कार्यकाल के दौरान ऐसा समय भी रहा होगा जब वहां कलह और परेशानी का सामना करना पड़ा होगा। सुधारात्मक उपायों के साथ ईमानदार प्रतिक्रिया दें।

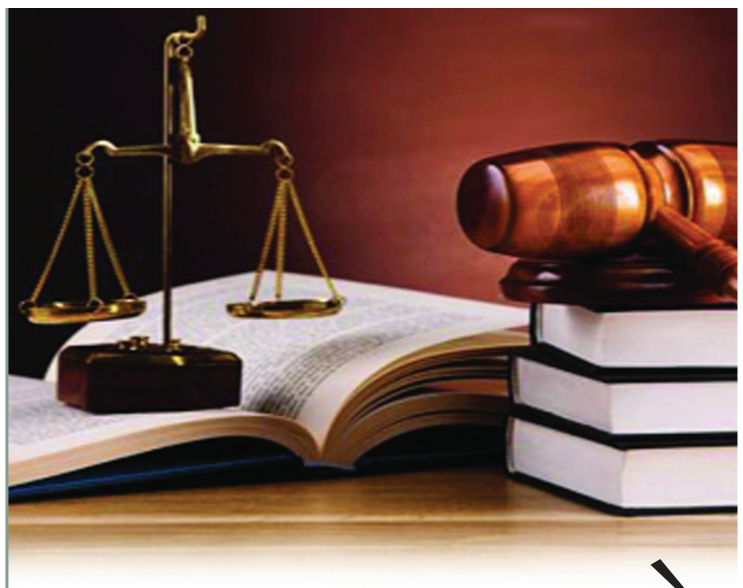

वकालत करने के लिए जानें बेसिक बातें

अदालतों में हम देखते हैं कि कानून के अनुसार ही एक पक्ष दूसरे पक्ष को चुनौती देता है और अदालतों में कानून के जानकार इसके भिन्न पक्षों की व्याख्या भी करते हैं। इन्हीं कानून के जानकारों को हम वकील कहते हैं और वकील बनने के लिए आपको लॉ की पढ़ाई करनी पड़ती है। इस पढ़ाई का का प्रथम चरण होता है एलएलबी का, यानी बैचलर आफ लॉ! वैसे कानून की पढ़ाई सिर्फ एक प्रोफेशन भर ही नहीं है, बल्कि यह उन तमाम जरूरतमंद लोगों को सिस्टम के साथ जोड़ने में एक अति महत्वपूर्ण कड़ी है, जो तमाम कारणों से अन्याय के शिकार होते हैं। जिन्हें पता तक नहीं होता है कि उन्हें कानून की जानकारी ना होने के कारण असीमित नुकसान उठाना पड़ा है। सच कहा जाए तो हमारे देश में ला प्रोफेशनल्स की जवाबदेही, किसी भी दूसरे प्रोफेशन से अधिक हो जाती है, क्योंकि यह कानून के शासन पर भरोसा पैदा करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके बाद आपको सीएलएटी एग्जामिनेशन देना पड़ता है, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट कहा जाता है और यह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा ऑर्गेनाइज किया जाता है। एग्जाम में आपसे लॉजिकल रीजनिंग, लीगल, एटीट्यूड, गणित, अंग्रेजी और जनरल क्वेश्चन पूछे जाते हैं। इसके बाद 5 साल के कोर्स में आप एडमिशन ले सकते हैं। सामान्यत: पांच साल के इन्टीग्रेटेड कोर्स के एंट्रेंस हेतु 200 अंकों के क्वेश्चन पेपर के लिए डेढ़ घंटे का टाइम दिया जाता है। इसमें इंग्लिश के 30 अंक, सामान्य ज्ञान के 50 अंक, लीगल एप्टीट्यूड के 20 अंक, लीगल रीजनिंग के 20 अंक होते हैं एवं 30 अंकों का एक एस्से भी लिखना होता है।

लॉ करने के बाद आपको इंटर्नशिप का कोर्स करना होता है और इस दौरान आपको काफी कुछ ट्रेनिंग मिलती है। इंटर्नशिप के बाद आपको किसी भी राज्य के स्टेट बार काउंसिल में इनरोलमेंट के लिए अप्लाई करना होता है और उसके बाद ऑल इंडिया बार कौंसिल का एग्जामिनेशन क्लियर करने के बाद आपको प्रैक्टिस का सर्टिफिकेट मिल जाता है और इसके बाद आप वकील बन जाते हैं।

हालाँकि, ग्रेजुएशन के बाद भी आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं और तब यह मात्र 3 साल का होता है। ग्रेजुएशन में भी आपको साधारणतया 50 परसेंट मार्क्स लाना होता है। वैसे एससी/ एसटी कटगरी स्टूडेंट्स के लिए इसमें छूट भी होती है।

लॉ की केटेगरी देखें तो मुख्यत: कॉर्पोरेट लॉ, क्रिमिनल लॉ, पेटेंट, एटर्नी, फैमिली लॉ, साइबर लॉ और बैंकिंग ला के रूप को गिनाया जा सकता है और किसी भी विषय में बाद में आप खुद को स्पेशलाइज कर सकते हैं। जैसा कि नाम के साथ ही स्पष्ट है कि पर्टिकुलर फील्ड में आप सम्बंधित क्षेत्र की विशेषज्ञता की हद तक जानकारी लेंगे।

सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। हमारे देश में कानून का शासन है। हर चीज कानून के अनुसार चलती है। कानून के अनुसार ही प्रशासन चलता है, कानून के अनुसार ही अदालतों का सिस्टम चलता है।

खास बात यह भी है कि एलएलबी के बाद एलएलएम और पीएचडी जैसी विशेषज्ञता भी आप हासिल कर सकते हैं और बाद के दिनों में आप न्यायपालिका की परीक्षा देकर जज बनने की भी कोशिश कर सकते हैं।

लॉ करने के लिए देश भर के कुछ अच्छे कॉलेजों की बात करें तो नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इण्डिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, नेशनल लॉ इन्स्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल, द वेस्ट बेंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्युरीडिकल साइंस, कोलकाता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, डॉ.राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, राजीव गाँधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, पटियाला, चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लागल स्टडीज, कोच्चि का नाम मुख्य रूप से गिनाया जा सकता है। यूं अधिकांश यूनिवर्सिटीज में यह कोर्स उपलब्ध हैं और देश के तमाम जिलों में आपको ऐसे कॉलेज मिल जायेंगे, जहाँ से आप लॉ में एडमिशन लेकर कानून की समझ बढ़ा सकते हैं। वर्तमान में इस कोर्स के स्कोप की बात करने की जरुरत नहीं है, क्योंकि ट्रेडिशनल अदालती प्रैक्टिस के अलावा कॉरपोरेट वर्ल्ड में, एनजीओ में, बैंकिंग सेक्टर में, सरकार एवं उसके संस्थानों में, स्वतंत्र पत्रकारिता (फ्रीलांस जर्नलिज्म) में, सेना तक में, लॉ फर्म्स के साथ-साथ न्यायिक सेवा तक में इसका विस्तार है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

नीमच में CRPF रोड पर चला बुलडोजर

मेहता गेट से किलेश्वर गेट तक हटाया अतिक्रमण, दुकानदारों ने खुद सामान समेटा

नीमच । सड़कों से कब्जा हटाने और ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए सोमवार को नगर पालिका ने सीआरपीएफ रोड पर एक्शन लिया। नगर पालिका की टीम ने मेहता गेट से लेकर किलेश्वर गेट तक सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को साफ कर दिया। नगर पालिका सीएमओ दुर्गा बामनिया की अगुवाई में टीम दोपहर में मेहता गेट पहुंची। कार्रवाई शुरू करने से पहले बाकायदा माइक से मुनादी कराई गई और दुकानदारों को अपना सामान हटाने की चेतावनी दी गई। इस चेतावनी के बाद कई लोगों ने तो खुद ही अपने तंबू और गुमटियां समेट लीं, लेकिन जिन्होंने ढील दी, उनके अवैध निर्माण को जेसीबी चलाकर ढहा दिया गया।

20 गुमटियां और अवैध होर्डिंग्स हटाए – इस कार्रवाई में सड़क किनारे जमी करीब 20 गुमटियों को हटाया गया। इसके अलावा मेहता गेट चौराहे पर लगे उन बड़े-बड़े होर्डिंग्स को भी निकाल फेंका गया, जिनकी वजह से वाहन चलाने वालों को दिक्कत होती थी।

कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार संजय मालवीय और केंट थाना प्रभारी निलेश अवस्थी सहित भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि शहर की मुख्य सड़कों पर अब अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

आंगनबाड़ी के बच्चों को मधुमक्खियों से बचाने दे दी जान

स्व सहायता समूह की अध्यक्ष ने तिरपाल-दरी में लपेटकर बचाया, लेकिन खुद चपेट में आई

नीमच । आंगनबाड़ी केंद्र पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। बच्चों को उनसे बचाने के लिए केंद्र में खाना बनाने वाले स्वसहायता समूह की अध्यक्ष कंचन बाई मेघवाल मधुमक्खियों के सामने खड़ी हो गईं। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना सभी बच्चों को तिरपाल और दरी में लपेटा। फिर अंदर के कमरे में भेजा।

इतनी देर में कंचन बाई को कई मधुमक्खियों ने काट लिया। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामला नीमच जिले के रानपुर गांव में सोमवार दोपहर का है। कंचन बाई का शव मंगलवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन को सौंपा गया।

आंगनबाड़ी केंद्र के बाहर खेल रहे थे बच्चे – सोमवार दोपहर को मडावदा पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चे बाहर खेल रहे थे। अचानक कई

कंचन बाई, मृतक

मधुमक्खियां वहां आ गईं और बच्चों को घेर लिया। यह देखकर कंचन बाई ने तुरंत हिम्मत दिखाई। उन्होंने पास पड़ी तिरपाल और दरी से बच्चों को ढंकना शुरू कर दिया।

कंचन बाई बच्चों को बचाने के लिए खुद मधुमक्खियों के सामने खड़ी हो गईं। जब तक ग्रामीण मदद के लिए दौड़ते, हजारों मधुमक्खियां कंचन बाई को बुरी तरह डंक मार चुकी थीं।

पति को पैरालिसिस, घर संभाल रही थीं – स्थानीय ग्रामीणों ने कहा- कंचन बाई आंगनबाड़ी में खाना बनाने वाले 'जय माता दी स्व-सहायता समूह' की अध्यक्ष थीं। वे खुद भी बच्चों के लिए खाना बनाने का काम करती थीं। उनके पति शिवलाल को पैरालिसिस है। ऐसे में घर का सारा बोझ कंचन बाई के कंधों पर ही था। दंपती का एक बेटा और दो बेटियां हैं।

प्रशासन से लगाई मदद करने की गुहार – ग्रामीण अब आंगनवाड़ी के पास जाने से भी कतरा रहे हैं, क्योंकि वहां लगे पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता है। जबकि आंगनबाड़ी में लगा एकमात्र हैंडपंप ही गांवभर के लिए पानी का जरिया है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस छत्ते को तुरंत हटाया जाए ताकि और कोई हादसा न हो। साथ ही कंचन बाई के परिवार की आर्थिक मदद करने की गुहार भी लगाई है।

जावद में ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान

विधायक सखलेचा ने खेतों का दौरा कर सर्वे के दिए निर्देश

जावद । विधानसभा क्षेत्र में 1 फरवरी को हुई बेमौसम बारिश और ओलों की मार से किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। भारी नुकसान को देखते हुए किसान काफी परेशान हैं।

हालात का जायजा लेने के लिए पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक ओमप्रकाश सखलेचा सोमवार को खुद उन गांवों में पहुंचे जहां ओले गिरे थे। उन्होंने खेतों में जाकर खराब हुई फसलों को देखा और किसानों की तकलीफें सुनीं। किसानों ने बताया कि ओलों की वजह से न सिर्फ पैदावार कम होगी, बल्कि बची-खुची फसल की क्वालिटी भी खराब हो गई है। पूर्व मंत्री फोन पर प्राकृतिक आपदा को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव से चर्चा करते हुए। विधायक ने भरोसा दिलाया कि संकट के इस समय में सरकार उनके साथ खड़ी है और किसी के साथ भी अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

फौरन सर्वे शुरू करने के आदेश – विधायक सखलेचा ने मौके पर ही पटवारी और आरआई को बुलाकर तुरंत सर्वे शुरू करने को कहा।

उन्होंने साफ निर्देश दिए कि सर्वे का काम बिना किसी भेदभाव और देरी के पूरा होना चाहिए, ताकि हर हकदार किसान को उसका मुआवजा मिल सके।

सखलेचा ने बताया कि उन्होंने कलेक्टर से बात की है और वे मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री से मिलकर जावद के किसानों के लिए खास राहत की मांग करेंगे।

नीमच की बेटी पूजा प्रजापत ने रिपब्लिक डे कैम्प में रचा इतिहास

नीमच । जिले के ग्राम चंगेरा की होनहार बेटी पूजा प्रजापत ने राष्ट्रीय कैडेट कोर के रिपब्लिक डे कैम्प में भाग लेकर न केवल नीमच जिले बल्कि पूरे मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है।

पूजा प्रजापत का चयन इस शिविर के लिए असाधारण उपलब्धि रही है। उन्होंने लगभग चार माह तक कठोर अनुशासन, अथक परिश्रम और निरंतर अभ्यास के साथ स्वयं को तैयार किया। इसके पश्चात वे कई चरणों की कठिन चयन प्रक्रिया से सफलतापूर्वक गुजरते हुए मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ डायरेक्टरेट की गार्ड ऑफ ऑनर का हिस्सा बनीं।

दिल्ली में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के शिविर में देशभर से आए हजारों कैडेट्स के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा हुई, जिसमें पूजा प्रजापत ने अपनी उत्कृष्ट ड्रिल, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के बल पर ऑल इंडिया गार्ड ऑफ ऑनर टीम में अपना स्थान पाया। यह उपलब्धि किसी भी कैडेट के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है।

रिपब्लिक डे कैम्प के दौरान पूजा को देश के शीर्ष नेतृत्व के समक्ष गार्ड ऑफ ऑनर में सहभागिता का अवसर मिला। इस अवसर परमहामहिम उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्यमंत्री श्री संजय सेठ, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी, एवं डीजी एनसीसी लेफ्टिनेंट जनरल विरेंद्र वत्स की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस उपलब्धि पर 5 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल ज्योति प्रकाश ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, "पूजा प्रजापत की यह उपलब्धि केवल एक कैडेट की सफलता नहीं, बल्कि यह पूरे मंदसौर-नीमच अंचल और प्रदेश की बेटियों की सामर्थ्य का प्रतीक है। पूजा ने यह साबित कर दिया है कि यदि इरादे मजबूत हों तो गाँव की मिट्टी से भी देशभक्ति की खुशबू दिल्ली तक पहुँच सकती है।"

पूजा प्रजापत की यह उपलब्धि आज हजारों युवाओं और बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई है। उनकी सफलता यह संदेश देती है, कि सपने चाहे छोटे गाँव में देखे जाएँ, लेकिन मेहनत हो सच्ची तो पहचान पूरे देश में बनती है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना तहत पिंक ड्राइविंग लाइसेंस शिविर 9 फरवरी को

नीमच । बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग तथा परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 18 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं/युवतियों के लिए पिंक ड्राइविंग लाइसेंस शिविर 09 फरवरी 2026 सोमवार को आयोजित किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया, कि परिवहन विभाग के समन्वय से 18 वर्ष पूर्ण कर चुकी बालिकाओं, युवतियों के लिए निःशुल्क ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए पिंक ड्राइविंग लाइसेंस शिविर आयोजित किया जा रहा है। विशेष शिविर में ड्राइविंग लाइसेंस निःशुल्क बनाएं जाएंगे। शिविर में किसी प्रकार का शुल्क देय नहीं होगा। ऐसी बालिकाएं, युवतियां जिनके ड्राइविंग लाइसेंस अभी तक नहीं बने है, वे 09 फरवरी के पूर्व महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यालय के कक्ष क्रमांक 49 नीमच में संपर्क कर, या दूरभाष क्रमांक 9770551597 पर संपर्क कर अपना पंजीयन करवा सकती है।

भाटखेड़ा स्थित राधा देवी रामचंद्र मंगल कॉलेज में वर्ष की दूसरी प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

नीमच । भाटखेड़ा स्थित राधा देवी रामचंद्र मंगल कॉलेज में दिनांक 4 फरवरी 2026, बुधवार को वर्ष 2026 की दूसरी प्लेसमेंट ड्राइव की श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट ड्राइव के अंतर्गत चयन प्रक्रिया पटेल मोटर्स, इंदौर की एचआर टीम द्वारा संपन्न कराई जाएगी।

प्लेसमेंट ड्राइव के अंतर्गत पटेल मोटर्स इंदौर की विभिन्न शाखाओं के लिए ग्रेजुएट एवं पोस्ट-ग्रेजुएट विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में साक्षात्कार सहित अन्य आवश्यक चरण शामिल होंगे। इच्छुक विद्यार्थी आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ निर्धारित समय पर कॉलेज परिसर में उपस्थित होकर इस प्लेसमेंट ड्राइव में भाग ले सकते हैं। कॉलेज प्रशासन ने बताया कि विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए कॉलेज में नियमित रूप से प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जाती रहती हैं, जिससे विद्यार्थियों एवं अन्य छात्रों को रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें। इस वर्ष की दूसरी प्लेसमेंट ड्राइव को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

ओलावृष्टि से तबाह हुई फसलों का जल्द हो सर्वे, विधायक परिहार ने सीएम को लिखा पत्र

नीमच । जिले में हुई भारी ओलावृष्टि और अतिवृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। फसलों को हुए व्यापक नुकसान को देखते हुए नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर त्वरित मुआवजे की मांग की है। विधायक परिहार ने पत्र में बताया कि प्राकृतिक आपदा से अफीम, गेहूं, चना और सरसों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं, जिससे किसानों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने राजस्व विभाग के माध्यम से पारदर्शी और वास्तविक सर्वे कराकर आरबीसी 6-4 के नियमों के तहत राहत राशि जल्द स्वीकृत करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही विधायक ने वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा और कृषि मंत्री से फोन पर चर्चा कर वस्तुस्थिति से अवगत कराया, जिस पर मंत्रियों ने हर संभव मदद का भरोसा दिया है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।